M.Ed. SPECIAL EDUCATION (MEDSE)

00422

Term-End Examination

December, 2016

MMDE-057 : CURRICULUM DEVELOPMENT AND SPECIAL EDUCATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 75*

Note : *Both **Part - A** and **Part - B** are **compulsory**.*

PART - A

Answer **any three** of the following questions in about **200** words each. Each question carries **5** marks. **3x5=15**

1. Describe the significance of formulating objectives and selecting learning experiences before imparting instructions.

2. How can you use interview as an effective tool for data collection ?

3. Discuss the significance of co-curricular activities.

4. Describe the importance of audio visual aids for teaching.

5. Describe the factors that shape the curriculum design.

PART - B

Answer **any four** of the following questions. However question no. **11** is **compulsory**. Each question carries **15** marks. Each answer should be in about **600** words. **4x15=60**

6. Discuss the development approach to curriculum designing.

7. What are the characteristics of an effective tool for data collection ? Explain with examples.

8. Explain the integrated approach to curriculum planning.

9. Why is a collective approach essential for curriculum development ? Discuss.

10. Discuss the role of a teacher while teaching through the activity method. Give suitable examples.

11. Suppose the programme in which you are enrolled is to be evaluated, which parameters should be considered and why ? Discuss.

एम.एड. विशेष शिक्षा (एम.ई.डी.एस.ई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2016

एम.एम.डी.ई.-057 : पाठ्यक्रम विकास एवं विशेष शिक्षा

समय : 3 घंटे *अधिकतम अंक : 75*

नोट : ***भाग - अ एवं भाग - ब दोनों अनिवार्य हैं।***

भाग - अ

निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** पर लघु टिप्पणी लगभग 200 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। **3x5=15**

1. निर्देश देने से पहले उद्देश्यों का निर्माण एवं अधिगम अनुभवों का चुनाव करने के महत्त्व का वर्णन करें।

2. आंकड़े संकलित करने हेतु आप साक्षात्कार का प्रयोग किस प्रकार से कर सकते हैं?

3. पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाओं के महत्त्व पर चर्चा करें।

4. शिक्षण हेतु दृश्य-श्रवण सामग्री के महत्त्व का वर्णन करें।

5. पाठ्यक्रम रूपरेखा को स्वरूप देने वाले कारकों का वर्णन करें।

भाग - ब

निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दें। प्रश्न नं. **11 अनिवार्य** है। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। हर प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में लिखें। **4x15=60**

6. पाठ्यक्रम डिजाइन के विकास उपागम पर चर्चा करें।

7. आंकड़े संकलित करने हेतु प्रभावशाली यंत्र क्या होते हैं? उदाहरण सहित व्याख्या करें।

8. पाठ्यक्रम नियोजन के एकीकृत उपागम की व्याख्या करें।

9. पाठ्यक्रम विकास हेतु सामूहिक उपागम क्यों आवश्यक है? चर्चा करें।

10. क्रिया विधि द्वारा शिक्षण कराते हुए एक शिक्षक की भूमिका पर चर्चा करें। उचित उदाहरण दें।

11. मान लीजिए कि जिस कार्यक्रम में आपने नामांकन करवाया है उसका मूल्यांकन किया जाना है, उसके लिए क्या मापदण्ड होने चाहिए तथा क्यों? चर्चा करें।